लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4242

19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

औद्योगिक उत्पादन में वस्त्र उद्योग का योगदान

4242. श्री अनिल फिरोजिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में वस्त्र उद्योग के योगदान का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा देशभर में वस्त्र उद्योग में रोजगार सृजन के लिए राज्य-वार क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) सृजित नौकरियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने बुनाई और प्रसंस्करण क्षेत्रों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वस्त्र क्षेत्र में निवेश क्षमता बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): भारत का वस्त्र एवं अपैरल उद्योग भारत के आर्थिक विकास, निर्यात संवर्धन, रोज़गार सृजन, महिलाओं के सशक्तिकरण और भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति को दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, 2025 के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान वस्त्र एवं अपैरल उद्योग की औसत हिस्सेदारी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 2% और विनिर्माण जीवीए का 11% है। यह क्षेत्र 45 मिलियन से अधिक प्रत्यक्ष रोज़गार प्रदान करता है। सरकार वस्त्र क्षेत्र में रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिए, समर्थ, एनएचडीपी, पीएम-मित्र योजना, वस्त्र उद्योग के लिए पीएलआई योजना आदि जैसी विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करती है।

(घ) और (ङ): सरकार का लक्ष्य अपने विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से देश भर में वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना है। इनमें से कुछ पहल नीचे दिए दी गई है:

पीएम-मित्र पार्क योजना: इस योजना के तहत, सरकार ने आधुनिक, एकीकृत, बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय अवसंरचना और प्लग एंड प्ले सुविधायुक्त 07 मेगा वस्त्र पार्कों को मंजूरी दी है, जिनका उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना और रोजगार को बढ़ावा देना है।

वस्त्र के लिए उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना: यह योजना मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्रों सहित उभरते क्षेत्रों पर फोकस करती है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देना और इन वस्त्र क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन: यह मिशन (i) अनुसंधान, नवाचार और विकास, (ii) संवर्धन और बाजार विकास (iii) शिक्षा और कौशल तथा (iv) तकनीकी वस्त्रों में निर्यात संवर्धन पर फोकस करता है ताकि देश को तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित किया जा सके।

*****